केन्द्रीय विद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर, प्रथम पाली, वाराणसी

हिन्दी-XII/मासिक परीक्षा/सितम्बर-2024

समय: 1.30 **पूर्णांक : 40**

ध्यान दें-

क. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

ख. वर्तनी तथा लेख पर ध्यान दें।

ग. पूछे गए प्रश्नों के सारगर्भित उत्तर लिखें।

खंड-क (अपठित गद्यांश तथा पद्यांश)

1. निम्नांकित अपठित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें। **5**

विश्व के बड़े देशों के मुकाबले भारत अभी भी स्वच्छता के मामले में बहुत पीछे है तथा यह स्थिति बेहद असंतोषजनक है। गांधी जी के समय से चलनेवाला स्वच्छता आंदोलन आज केवल प्रदर्शन और फ़ोटो खिंचवाने का आयोजन बन गया है। स्वच्छता और स्वास्थ्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकांश भारतीय स्वच्छता के विषय में लापरवाह हैं। हमारे परिवेश में रहनेवाले अधिकांश व्यक्ति भोजन से पहले हाथ नहीं धोते हैं, जिसके कारण घातक जीवाणु और विषाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और अनेक रोगों का कारण बनते हैं। हमें शारीरिक स्वच्छता ले साथ-साथ अपने वस्त्रों की स्वच्छता के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। मैले-कुचैले कपड़े भी मन और शरीर को बीमार बनाते हैं।

अधिकांश रोगों के मूल में प्रदूषित जल है। जल को प्रदूषित करने में भी हम सर्वाधिक आगे हैं। हमारी नदियां बुरी तरह प्रदूषित हो गई हैं। हम सोचते हैं कि हमारी नदियां इतनी पवित्र हैं कि कल-कारखानों और आबादी से अपशिष्ट पदार्थ बहाते नाले भी उन्हें प्रदूषित नहीं कर पाएंगे। हमारी धार्मिकता ने नदियों के प्रति हमारी भावना को आरतियों तक सीमित कर दिया है। इसी का फ़ायदा बोतलबंद पेय-जल बेचनेवाली कम्पनियां उठा रही हैं। जब हवा-पानी प्रदूषित हो तो आपदा में अवसर का लाभ उठानेवाला पूंजीवाद भला क्यों पीछे रहे!

भारत सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। जितनी ही अधिक जनसंख्या बढ़ेगी, उतनी ही समस्याओं से जूझना पड़ेगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, आवास, जन-सुविधाओं पर दबाव पड़ेगा। इस समस्या का समाधान केवल और केवल शिक्षा और प्रगतिशील दृष्टिकोण के विकास से ही सम्भव है, न कि जाति-धर्म के भेदभाव से भरे राजनीतिक वक्तव्यों से। बीसियों साल पहले हमारे लिए जनसंख्या-विस्फोट केवल एक शब्द नहीं था, वास्तविक समस्या थी। आज यह शब्द हमारे शब्द-कोश से गायब हो चुका है। सच तो यह है कि यह शब्द अंतर-राष्ट्रीय जगत से आया था। आज दुनिया के बड़े निर्यातक देश भारत को बाज़ार की नज़र से देखते हैं, इसलिए भारत की बढ़ती आबादी पर टिप्पणी नहीं करते हैं। यह एक चालाकी है क्योंकि भारत उनके उत्पादों के लिए बाज़ार जो है! हम भारतीय कब तक विदेशों से अपनी दशा का प्रमाण-पत्र लेते रहेंगे! अपनी दशा को हमें स्वयं ही देखना होगा।

क. ज़्यादातर बीमारियां क्यों होती हैं?

1.अस्वच्छता से 2.प्रदूषित जल से 3.आबादी से 4.अस्वास्थ्य से

ख. गद्यांश में किस समस्या की चर्चा नहीं की गई है?

1.नदियों की 2.आर्थिक पिछड़ेपन की 3.जनसंख्या-विस्फोट की 4.आबादी की

ग. बड़े देशों की दृष्टि में भारत क्या है?

1.पिछड़ा देश 2.बाज़ार 3.गांधी जी का देश 4.विश्व की चौथी शक्ति

घ. **कथन** - हम अपनी स्थिति का प्रमाण-पत्र दूसरे देशों से लेते हैं।

कारण- हम स्वयं अपनी स्थिति से अपरिचित हैं।

1. कथन और कारण-दोनों सत्य हैं।
2. कथन और कारण-दोनों असत्य हैं।
3. कथन सत्य है, किन्तु कारण असत्य है।
4. कथन असत्य है, किन्तु कारण सत्य है।

ड. जनता की समस्याओं को लेकर पूंजीवाद का क्या रवैया होता है?

2. निम्नांकित पद्यांश का अध्ययन करें तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें। **4**

एक बार मुझे आंकड़ों की उल्टियां होने लगीं गिनते-गिनते जब संख्या करोड़ों को पार करने लगी मैं बेहोश हो गया। होश आया तो मैं अस्पताल में था खून चढ़ाया जा रहा था आक्सीजन दी जा रही थी कि मैं चिल्लाया- डाक्टर, मुझे बुरी तरह हंसी आ रही यह हंसानेवाली गैस है शायद प्राण बचानेवाली नहीं	तुम मुझे हंसने पर मज़बूर नहीं कर सकते इस देश में हर एक को अफ़सोस के साथ जीने का पैदाइशी हक है वरना कोई माने नहीं रखते हमारी आज़ादी और प्रजातंत्र बोलिए नहीं- नर्स ने कहा-बेहद कमज़ोर हैं आप बड़ी मुश्किल से काबू में आया है रक्तचाप डाक्टर ने समझाया-आंकड़ों का वायरस बुरी तरह फ़ैल रहा आजकल सीधे दिमाग पर असर करता भाग्यवान हैं आप कि बच गए कुछ भी हो सकता था आपको-

अ. कवि के अनुसार आंकड़ों से क्या किया जा सकता है?

1. आंकड़ों से सच छिपाया जा सकता है।
2. आंकड़ों से आज़ादी में बाधा उत्पन्न की जा सकती है।
3. आंकड़ों से अफ़सोस उत्पन्न होता है।
4. आंकड़ों से हंसाया जा सकता है।

उत्तर विकल्प-

I केवल कथन 1 सही है

II केवल कथन 3 सही है

III केवल कथन 2 और 3 सही है

IV केवल कथन 1 और 4 सही है

आ.कवि की हंसी का सम्भावित कारण क्या था?

I खून व आक्सीजन चढ़ाया जाना III हंसानेवाली गैस

II गलत और झूठे आंकड़े IV आंकड़ों की उल्टियां

इ. कालम 1 तथा 2 को सुमेलित कीजिए।

	1	**2**
i)	आज़ादी और प्रजातंत्र	1) गुमराह रखने का हथियार
ii)	अफ़सोस के साथ जीना	2) यथार्थ में रहना
iii)	आंकड़ों का वायरस	3) सच जानने का अधिकार

उत्तर विकल्प-

क. i)-3 ii) -1 iii)-2 ख. i)-1 ii)-2 iii)-3

ग. i) -3 ii)-2 iii)-1 घ. i)-2 ii) -3 iii)-1

ई. कवि को आंकड़ों की उल्टियां क्यों होने लगीं?

खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम)

3. किसी एक विषय पर 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए। **5**

क. भारी बस्तों के बोझ से दबता बचपन ख. मोबाइल छोड़ो, मैदानों में खेलो!

4. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **9**

क. उल्टा पिरामिड शैली का प्रयोग कहां किया जाता है? इसके तीनों भागों को स्पष्ट करें।

ख. कहानी और नाटक में कौन-कौन-सी समानताएं होती हैं?

ग. रेडियो जनसंचार का कैसा माध्यम है? इसकी दो सीमाएं लिखें।

घ. पत्रकारों की कितनी श्रेणियां हैं? उनके नाम लिखकर एक-एक वाक्य में परिचय दीजिए।

खंड-ग (आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

5. कविताओं के आधार पर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **12**

क. **अस्थिर सुख पर दुख की छाया** में **दुख की छाया** किसे कहा गया है और क्यों?

ख. **विप्लव रव से छोटे ही हैं शोभा पाते**-कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

ग. तुलसीदास के अनुसार भूख मिटाने के लिए व्यक्ति क्या-क्या करने पर विवश होता है? कवि ने पेट की आग को किसकी तुलना में बड़ी बताया है?

घ. **धूत कहौ, अवधूत कहौ...**सवैया में तुलसीदास ने अपनी किस पहचान को महत्त्व दिया है? आप कैसे कह सकते हैं कि तुलसीदास जाति और धर्म को महत्त्व नहीं देते हैं?

ङ. तुलसीदास ने अपने समय की बेरोज़गारी का मार्मिक चित्रण करते हुए क्या बताया है?

6. वितान के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों में लिखिए। **5**

क. यशोधर बाबू और उनके परिवार के बीच के असामंजस्य के कारणों को स्पष्ट करें।

ख. आप कैसे कह सकते हैं कि न.वा. सौंदलगेकर एक आदर्श अध्यापक थे?

ग. आप कैसे कह सकते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता जल-संस्कृति वाली सभ्यता थी?

इति